>

Title: Need to protect Indian workers in Kuwait and other Gulf Countries from harassment and cheating by foreign companies and agencies.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): सभापति जी, हमारे देश के मजदूर खाड़ी के देशों में काम करने जाते हैं। कम्पनीज उन्हें वहां काम कराने के लिए ले जाती हैं और उनका वीजा बनवाती हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब आदि कई राज्यों से रोजगार की तलाश में किसानों के बेटे खाड़ी के देशों में जाते हैं। अभी तीन-चार महीने पहले कुवैत में भारत के 70-75 नागरिक काम करने गए थे। वहां की एक कम्पनी उन्हें यहां से ले गई थी। उस कम्पनी ने ही उन लोगों का वीजा और पासपोर्ट बनवाया और अपने पास जमा कर लिया। वह कम्पनी बाद में जैसा कि पता चला कि डिफाल्टर हो गई। मैं इस सम्बन्ध में प्रधान मंत्री जी और विदेश मंत्री जी को भी पत्र लिखा था। इसके अलावा मैंने कुवैत स्थित भारतीय राजदूत से भी सम्पर्क साधा था और बताया ता कि कुवैत में एक कमरे में हमारे देश के 70-75 मजदूर कैद पड़े हैं। जो भी व्यक्ति बाहर निकलता है, उसे वहां की सरकार के सिपाही गिरफ्तार कर लेते हैं और जेल में डाल देते हैं। हमारी आपके माध्यम से भारत से मांग है कि जो मजदूरों-किसानों के बेटे काम करने के लिए खाड़ी के देशों या अन्य देशों में जाते हैं, उनकी सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं। खाड़ी के देशों, खासकर कुवैत में हमारे उत्तर प्रदेश के मेरे जनपद के कई ऐसे मजदूर वहां फंसे हुए हैं। इसलिए भारत सरकार उन्हें वापस बुलाने का काम करे, क्योंकि वहां उनके सामने भुखमरी के हालात पैदा हो गए हैं, खाने का सामान नहीं है। वहां की सरकार भी उनकी कोई मदद नहीं कर रही है, बल्कि उनके ऊपर पैनल्टी लगा रही है। भारतीय मुद्रा के हिसाब से उन पर प्रति दिन 5000 रुपए से लेकर 7000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जा रहा है। मैंने कई बार विदेश मंत्रालय से इस बाबत सम्पर्क किया, लेकिन भारत सरकार कान बंद करके बैठी हुई है। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि जो भारतीय विदेशों में काम करने जाते हैं, उनकी वापसी की गारंटी होनी चाहिए। कुवैत में जिन लोगों का वीजा जब्त कर लिया गया है, उनके साथ शोषण और अत्याचार हो रहा है। मैं चाहूंगा कि हमारा विदेश मंत्रालय कुवैत स्थित भारतीय राजदूत को तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने का आदेश दे और भारत से गए जो लोग हैं, उन्हें वापस लाया जाए।